हिंदी विभाग

वक्तृत्व,संवाद एवं साक्षात्कार कौशल प्रमाणपत्र पाठयक्रम

माहिती पत्रक (Broucher)

(सन –1919 – 20)

1 पाठयक्रम परिचय –(**About Syllabus)** आज के आधुनिक प्रतियोगिता के युग में अगर हमें छात्रों को सक्षम बनाना है तो उनके व्यक्तिमत्व कां विकास करने की जरूरत है । आधुनिक युग में वक्तृत्व संवाद एवं साक्षात्कार कौशल का महत्व बढता ही जा रहा है । हर क्षेत्र में आज ऐसे कौशल प्राप्त छात्रों की जरूरत बढ रही है। अत यह पाठयकम इस जरूरत की कमी को पूरा करने को सक्षम है।

2. उददेश्य –1.छात्रों में वक्तृत्व कौशल विकसित करना

2. छात्रों में संवाद शैली विकसित करना

3. छात्रों में व्यक्तिमत्व विकास करना

4. छात्रों का बौध्दिक विकास करना

5. छात्रों में मुलाखत तंत्र के कौशल को विकसित करना.

6. छात्रों को नौकरी के लिए सक्षम बनाना

3.प्रवेश पात्रता – (**Eligibility for Admission)** इस पाठयक्रम मे पदवी स्तर पर पढनेवाले सभी छात्र प्रवेश पा सकते है।

5. प्रवेश सीमा – 50 छात्र

4. पाठयक्रम का समय – (**Course Duration)** इस पाठयक्रम की समय अवधि एक महिना है छात्रों के एक बार पंजिकरण के पश्चात यह प्रवेश सालभर के लिए मान्यता प्राप्त रहेगा।

6. परीक्षा पदधति – (Exam Structure) इस पाठयक्रम के मूल्याकंन के रूप में हर छात्र को 40 अंकों का लिखित प्रश्नपत्र तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा देनी होंगी ।

7. – पाठयक्रम संरचना – (Syllabus Structure)

इकाई क्र 1– 1.वक्तृत्व की परिभाषा 2.वक्तृत्व कला का महत्व

3.वक्ता के गुण 4. वक्तृत्व के तत्व

इकाई क्र 2.– 1.संवाद व्याख्या व स्वरूप

2.संवाद एक कला

3.संवाद की जरूरत

4.संवाद तंत्र

इकाई क्र 3.– 1.साक्षात्कार की परीभाषा

2. साक्षात्कार का महत्व

3. साक्षात्कार के तत्व

4. साक्षात्कार

इकाई क्र 4.– 1. 4.महाराष्ट के प्रसिदध वक्ताओं का परिचय – 1.अण्णासाहेब डांगे 2. प्र.के. अत्रे 3. प्राचार्य शिवाजीराव भोसले 4. राम शेवाळकर 5. रामदास फुटाणे 6. अपर्णा रामतीर्थकर 7.आ.ह साळुंखे 8.मा.ह कल्याणकर 9.राजन गवस 10 हरी नरके 11. राज ठाकरे 12.प्रा.नितीन बानुगडे पाटील